एक नजर में

मीडिया एवं जागरूक नागरिकों की शिकायत पर प्रशासन एवं पुलिस ने बस स्टैंड पर सख्ती से हटाया अतिक्रमण

झाबुआ। शहर के बस स्टैंड एवं बस स्टैंड से नगरपालिका आने-जाने वाले मार्ग पर दिनभर में पचासों से अधिक बार जाम लगने तथा यातायात व्यवस्था बार-बार गड़बड़ाने संबंधी समाचारों का प्रकाशन मीडिया द्वारा प्रमुखता से किया गया। वहीं इस मामले में जिम्मेदार नागरिकों की शिकायत के बाद 25 नवंबर, मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के आला अधिकारियों के निर्देश पर नगरपालिका एवं ट्रेफिक पुलिस ने पहुंचकर कार्रवाई की। नगरपालिका सीएमओ मिलन पटेल एवं ट्रेफिक प्रभारी कमल मिंदल के नेतृत्व में नपा के राजस्व अमले से प्रेमसिंह वसुनिया, रूपसिंह आदिवासी, मुकेश चौहान, ट्रेफिक पुलिस बल से एएसआई लोकेन्द्र खेड़े एवं अन्य पुलिसकर्मियों ने बस स्टैंड पहुंचकर यहां नगरपालिका के कॉम्प्लेक्स के बाहर अव्यवस्थित लगी ठेलगाड़ियों को सहीं करवाने के साथ पीछे लगवाया गया। बसों के स्थान को नियत करने के साथ जो बसे अव्यवस्थित खड़ी हुई थी, उन्हें निर्धारित प्लेटफार्म अनुसार खड़ी करवाई गई। ऑटो रिक्शा जो सवारियों के लिए बसों के इर्द-गिर्द घूमते रहते है, इस हेतु सभी रिक्शा चालकों को हिदायत दी गई कि वे अपने निर्धारित पार्किंग झोन में ही खड़े रहे, अन्यथा अव्यवस्थित खड़े रहने वाली बसों और ऑटो रिक्शाओं के सख्ती से चालान भी बनाए जाएंगे। बस स्टैंड की व्यवस्था सुधारने के लिए अभियान चलाया जाएगा- प्रशासन एवं पुलिस के अमले ने बसों के प्रवेश मार्ग को व्यवस्थित करवाने के साथ बस स्टैंड से नगरपालिका आने-जाने वाले मार्ग पर बेतरतीब खड़ी रहने वाली जीपों को हटवाया। यहां खड़ी सब्जी, फल की ठेलागाड़ियों को भी हटवाया गया। नपा सीएमओ मिलन पटेल एवं ट्रेफिक प्रभारी कमल मिंदल द्वारा अमले को निर्देशित किया गया कि बस स्टैंड से नगरपालिका आने-जाने वाले मार्ग पर भारी वाहनों के प्रवेश पर भी रोक लगाई जाए। बस स्टैंड पर आगामी दिनों मे वृहद अभियान चलाकर सारी व्यवस्थाएं चॉक-चौबंद करने की कार्ययोजना बनाई गई। बस की जगह कार खड़ी होने पर बनाया 1 हजार का चालान-इसी बीच नगरपालिका एवं ट्रेफिक पुलिस के अमले ने पाया कि बस स्टैंड पर प्लेटफार्म नंबर-5, जो बसों के खड़े रहने के लिए रिक्त है, उस स्थान पर बस नहीं होने से किसी कार चालक ने अपनी कार एमपी-07, सीजे-9431 को पार्क कर भोजन के लिए पॉवर हाउस रोड़ पर रेस्टोंरेट में जाने पर ट्रेफिक पुलिस ने मोबाईल से एप पर नंबर सर्च कर और कार चालक को बुलवाया। कार को तुरंत वहां से हटवाएं जाने के साथ कार मालिक का 1 हजार रू. का चालान भी बनाया गया।

विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत कलेक्टर ने छापरी, भूराडाबरा, माछलिया एवं कालीदेवी का किया निरीक्षण

झाबुआ, ।भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया सतत रूप से संचालित की जा रही है, जिसके तहत जिले की टीम पूरी तत्परता और गंभीरता के साथ कार्य कर रही हैं। इसी क्रम में आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नेहा मीना ने 195-पेटलावद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत छापरी, भूराडाबरा, माछलिया एवं कालीदेवी में एन्युमरेशन फॉर्म (श्वस्न) के डिजिटाइजेशन कार्य की प्रगति का स्थल निरीक्षण किया तथा स्ढ्ढक्रमें संलग्न बीएलओ, सहायक बीएलओ एवं पूरी टीम से विस्तृत चर्चा की ।कलेक्टर ने सर्वप्रथम मतदान केन्द्र क्रमांक 234 छापरी में पहुँचकर बीएलओ एवं टीम के कार्यों की समीक्षा की। बीएलओ द्वारा कलेक्टर को बताया गया कि मतदान केन्द्र पर कुल 907 पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें से 84 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं के एन्युमरेशन फॉर्म का डिजिटाइजेशन पूर्ण किया जा चुका है। कार्य की इस प्रगति को देखकर कलेक्टर ने संतोष व्यक्त किया तथा मेहनत और निष्ठा के साथ कार्य कर रही संपूर्ण टीम को साधुवाद प्रेषित किया। इसके पश्चात कलेक्टर ने मतदान केन्द्र क्रमांक 24 भूराडाबरा में निरीक्षण किया, जहाँ लगभग 75 प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण हो चुका है। यहाँ कलेक्टर ने बीएलओ के साथ-साथ उनकी सहायता में नियुक्त पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं से चर्चा की। कलेक्टर ने विवाहित महिलाओं के मैपिंग के उपरांत गणना पत्रक भरने की प्रक्रिया की विस्तार से चर्चा की और इस कार्य में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे मोबलाइजेशन की सराहना की। कलेक्टर ने माछलिया एवं कालीदेवी मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया, जहाँ क्रमशः 58 प्रतिशत एवं 68 प्रतिशत कार्य प्रगति की जानकारी प्राप्त हुई। इन दोनों केन्द्रों पर कार्य की गति और गुणवत्ता को सुदृढ़ करने हेतु कलेक्टर ने अतिरिक्त सहयोगी स्टाफ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

मतदाता गणना पत्रों के डिजिटाइजेशन की प्रगति पर जोर दें : कलेक्टर

आलीराजपुर । कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नीतू माथुर ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मतदाता गणना पत्रों के डिजिटाइजेशन कार्य की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिले से पलायन कर चुके मतदाताओं का डेटा भी अनिवार्य रूप से एकत्र किया जाए तथा उनकी पृथक सूची तैयार की जाए। साथ ही जिन मतदाताओं की नो मैपिंग की स्थिति है उनकी भी सूची तत्काल तैयार की जाए और इस कार्य में पंचायत सचिव एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

कलेक्टर माथुर ने निर्देश दिए कि जिन मतदाताओं की मैपिंग हो चुकी है, उनका डिजिटाइजेशन हर हाल में पूरा किया जाए। साथ ही जिले में किसी भी मतदाता की मैपिंग न छूटे यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जिन बीएलओ ने शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन पूरा कर लिया है, उनके अनुभव का भी अन्य क्षेत्रों में उपयोग किया जाए।

कलेक्टर माथुर ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि वे कार्यों की सतत मॉनिटरिंग करें। साथ ही सभी जनपद सीईओ भी इस कार्य के लिए में सक्रिय रूप से भागीदार रहे और जिले में डिजिटाइजेशन की प्रगति को हर हाल में सुनिश्चित किया जाए ।वीसी के दौरान उप निर्वाचन अधिकारी, सभी एसडीएम, जनपद सीईओ, ईआरओ, बीएलओ, पंचायत सचिव, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पीएमश्री शासकीय स्कूल रातीतलाई में प्रभारी प्राचार्य की तानाशाही, अभाविप उग्र

- प्राचार्य ने विद्यालय के मेन गेट पर लगवाया ताला, गेट के बाहर धरने पर बैठे परिषद् के कार्यकर्ता
- प्राचार्य और अभाविप पदाधिकारियों के बीच हुई तीखी नोक-झोंक

रैली एवं ज्ञापन में विद्यार्थियों को शामिल होने की अनुमति नहीं दी

उल्लेखनीय है कि अभाविप द्वारा 24 नवंबर, सोमवार दोपहर शहर में रैली निकालकर कलेक्टोरेट पहुंचकर सहायक आयुक्त जनजातिय कार्य विभाग को स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें अभाविप पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं द्वारा रातीतलाई स्कूल से विद्यार्थियों को रैली एवं ज्ञापन कार्यक्रम में शामिल करने पर प्रभारी प्राचार्य अरूण मिश्रा द्वारा अनुमति नहीं दी गई। जिस पर अभाविप के जिला संयोजक अजय भूरिया, भाग संयोजक दिनेश परमार, विभाग छात्रा प्रमुख भूमिका पंवार, नगर मंत्री अमित चौहान, आदर्श मॉडल कॉलेज अध्यक्ष संदीप परमार आदि ने कड़ी आपत्ति एवं नाराजगी जाहिर की।

झाबुआ। स्थानीय पीएमश्री शासकीय बालक उमा विद्यालय रातीतलाई परिसर में 25 नवंबर, मंगलवार दोपहर 11 बजे से अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् ने संस्था के प्रभारी प्राचार्य की तानाशाही एवं मनमानी तथा विद्यालय और छात्रावास में विद्यार्थियों की समस्याओं को लेकर उग्र आंदोलन किया।

परिषद् के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं के रातीतलाई विद्यालय पहुंचने पर प्रभारी प्राचार्य ने गेट के बाहर ही ताला जड़वा दिया। जिससे गुस्साएं अभापि के पदाधिकारी-कार्यकर्ता गेट के बाहर ही धरने पर बैठ गए और विद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस बीच अभाविप के पदाधिकारियों से बात करने संस्था प्राचार्य के पहुंचने पर अभाविप कार्यकर्ताओं की उनसे तीखी नौक-झौक हुई। परिषद् पदाधिकारियों द्वारा सहायक आयुक्त जनजातिय कार्य विभाग एवं प्रभारी प्राचार्य का पुतला दहन करने पर पुलिस प्रशासन ने पुतला छीन लिया। गुस्साएं परिषद् कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि 2-3 दिन के भीतर रातीतलाई स्कूल एवं छात्रावास में अध्ययनरत विद्यार्थियों की सभी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो परिषद् के कार्यकर्ता राततीलाई स्कूल के समस्त विद्यार्थियों के साथ मिलकर इससे भी ओर उग्र प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

प्रभारी प्राचार्य ने स्कूल के गेट पर लगवाया ताला

25 नवंबर, मंगलवार दोपहर 11 बजे परिषद् के सभी पदाधिकारी-कार्यकर्ता जब इस मामले में संस्था के प्रभारी प्राचार्य अरूण मिश्रा से मिलने और विद्यार्थियों की समस्या जानने स्कूल पहुंचे, तो प्राचार्य द्वारा स्कूल के गेट पर ताला लगवाकर पुलिस बल बुलवा लिया गया। जिस पर परिषद् के पदाधिकारी-कार्यकर्ता मेन गेट के बाहर ही धरने पर बैठ गए और स्कूल प्रशासन हाय-हाय के जमकर नारे लगाए। इस दौरान मामला बिगड़ता देख जिला प्रशासन से प्रभारी तहसीलदार सुनिलकुमार डावर, पुलिस प्रशासन से एसडीओपी रूपरेखा यादव एवं थाना प्रभारी आरसी भास्करे के नेतृत्व में पुलिस दल-बल तैनात किया गया।

प्रभारी प्राचार्य ने कर दी इस्तीफा देने की पेशकश- आक्रोशित परिषद् के पदाधिकारी-कार्यकर्ता करीब आधे घंटे तक नारेबाजी के साथ धरने पर ही बैठे रहे। इस बीच उनसे मिलने प्रभारी प्राचार्य अरूण मिश्रा पहुंचे, तो परिषद् के कार्यकर्ताओं और प्रभारी प्राचार्य के बीच तीखी नौक-झौक शुरू हो गई। अभाविप के पदाधिकारियों का कहना था कि उन्होंने परिषद् की रैली एवं ज्ञापन, जो छात्र हित में किया गया, उसमें राततीलाई स्कूल विद्यार्थियों को शामिल होने की अनुमति क्यो नहीं प्रदान की ?, यह प्राचार्य मिश्रा का तानाशाही एवं मनमाना रवैया है, जब बात करने के लिए स्कूल आने पर स्कूल के गेट पर ताला लगवा दिया, जिस पर प्रभारी प्राचार्य द्वारा सफाई दी गई कि विद्यार्थियों की परीक्षा एवं टेस्ट चलने की वजह से उनका अध्ययन प्रभावित ना हो, इसलिए गेट पर ताला लगाया गया है। इस बात को लेकर काफी देर तक परिषद् कार्यकर्ताओं और प्राचार्य के बीच बहसबाजी चलती रहीं। इस बीच बहस से अत्यधिक नाराज होकर प्रभारी प्राचार्य अरूण मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा देने की भी पेसकश कर दी।

ना तो विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति मिल रहीं और ना वार्षिकोत्सव का आयोजन हो रहा-अभाविप के उक्त पदाधिकारियों ने बताया कि उन्हें प्रभारी प्राचार्य मिश्रा द्वारा विद्यार्थियों से इसलिए मिलने नहीं दिया जा रहा, क्योकि विद्यार्थियों द्वारा वास्तविक स्थिति बयां करने पर संस्था प्राचार्य की सारी पोल खुल जाएगी। अभाविप के जिला संयोजक अजय भूरिया के अनुसार विद्यालय में विद्यार्थियों को अब तक छात्रवत्ति नहीं मिली है।

विद्यार्थियों से मिलने के लिए भी रोका गया

अभाविप के पदाधिकारी-कार्यकर्ताओं को स्कूल प्रशासन एवं पुलिस ने विद्यार्थियों से मिलने के लिए भी रोका। जिसका कारण प्रभारी प्राचार्य द्वारा शाला में विद्यार्थियों की परीक्षा एवं टेस्ट चलने की बात कहीं। बाद में जब पता चला कि विद्यालय में किसी प्रकार की कोई परीक्षा या टेस्ट नहीं चल रहा है तो प्राचार्य द्वारा रूटिंग क्लासेस चलने की सफाई पेश की। अभाविप के जिला संयोजक अजय भूरिया, भाग संयोजक दिनेश परमार, विभाग छात्रा प्रमुख भूमिका पंवार एवं नगर मंत्री अमित चौहान आदि ने प्रभारी प्राचार्य पर मनमानी एवं तानाशाहीपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाया।

कालीदेवी थाना प्रभारी की ढीली कार्रवाई

झाबुआ.कालीदेवी थाना प्रभारी जयराज सोलंकी ने जब से कालीदेवी थाने का पदभार ग्रहण किया है तब से कालीदेवी थाने की हर कार्यवाही में बहुत ढीली होती जा रही है फिर चाहे वो अवैध शराब परिवहन से संबंधित हो या फिर थाना क्षेत्र में चल रही अन्य गतिविधि हो या फिर अपराध से संबंधित हो । अपराध से संबंधित ऐसा ही एक महिला संबंधित मामला ग्राम कालीदेवी का है जिसमें महिला को उनके व्हाट्स ऐप पर अश्लील वीडियो भेजने वाले के खिलाफ पहले तो महिला को थाने के और वरिष्ठ अधिकारियों के ऑफिस के कई चक्कर लगाने पड़े फिर नवागत पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक झाबुआ ने तत्काल एफ.आई.आर दर्ज करने के आदेश दिए करीब 20 दिन के बाद 20 सितंबर 2025 को कालीदेवी थाने पर महिला की एफ.आई.आर दर्ज तो करली गई परंतु एफ.आई.आर दर्ज होने के 2 माह बाद भी कालीदेवी थाना प्रभारी चालान कोर्ट में पेश नहीं कर पा रहे है । उक्त चालान के संबंध में फरियादी महिला द्वारा थाना प्रभारी से बात गई तो थाना प्रभारी ने जवाब दिया की यह हमारा निजी मामला है हम जब चाहेंगे तब चालान कोर्ट में पेश करेंगे आपको जो करना हो कर लो जहा शिकायत करना हो कर सकते हो ।

जागरूकता एवं अनुशासन हेतु संयुक्त सघन चेकिंग अभियान

आलीराजपुर । नगर में यातायात व्यवस्था को और अधिक सुरक्षित, अनुशासित एवं जनहितकारी बनाने के उद्देश्य से अनुविभागीय अधिकारी पुलिस, श्री अश्निवनी कुमार के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा कस्बे के प्रमुख मार्गों पर सघन वाहन चेकिंग अभियान संचालित किया गया।

यह अभियान केवल चालानी कार्रवाई तक सीमित न होकर, सुरक्षित यातायात के प्रति सार्वजनिक चेतना और सामाजिक उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करने की दिशा में एक सार्थक प्रयास रहा। अभियान के दौरान तेज गति से वाहन चलाने, बिना हेलमेट के दोपहिया चलाने तथा नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने जैसे गंभीर उल्लंघनों पर विशेष ध्यान दिया गया। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कुल 37 चालान तैयार किए गए, सार्वजनिक सुरक्षा के प्रश्न पर पुलिस किसी भी प्रकार की लापरवाही को सहन नहीं करेगी।

पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर, श्री रघुवंश सिंह, ने स्पष्ट किया कि अलीराजपुर पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य लोगों में दंड का भय नहीं, बल्कि सुरक्षा के प्रति जागरूकता का भाव उत्पन्न करना है। अलीराजपुर पुलिस निरंतर सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया, तथा अन्य जनसंचार माध्यमों के माध्यम से आम नागरिकों को यातायात नियमों के पालन हेतु प्रेरित कर रही है, ताकि सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सके और प्रत्येक व्यक्ति सुरक्षित घर पहुँच सके। पुलिस की ये पहल आमजन की सुरक्षा, जीवन की मूल्यवान रक्षा तथा समाज में अनुशासन की भावना को स्थापित करने के लिए की जा रही हैं।

अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने यह संदेश भी दिया कि— 'यातायात नियम केवल कानून नहीं, बल्कि जीवन सुरक्षा का कवच हैं।'

जनसुनवाई में पहुंचे 26 आवेदक, समस्याओं के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

आलीराजपुर ।प्रति मंगलवार की तरह आज कलेक्टर कार्यालय के जनसुनवाई कक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस सप्ताह की जनसुनवाई संयुक्?त कलेक्टर मनोज गरवाल की अध्यक्षता में हुई जिसमें कुल 26 आवेदक अपनी समस्याओं के समाधान हेतु पहुंचे। संयुक्?त कलेक्टर गरवाल ने सभी आवेदकों की समस्याओं को एक-एक कर गंभीरता से सुना तथा संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय सीमा एवं नियम अनुसार निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्राम कुंडलवासा निवासी कलम सिंह पिता वालु ने आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि उनकी माता का आकस्मिक दुर्घटना में निधन हो

गया था तथा मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के अंतर्गत उनका पंजीयन भी हो चुका है इसके बावजूद आज तक उन्हें किसी प्रकार की शासन की अनुग्रह सहायता प्राप्त नहीं हुई है।

एक नजर ▶ **राम बिछोली की हत्या का पुलिस ने किया खुलासा**

उमराई फलिया जंगल में दबा मिला शव, आरोपी गिरफ्तार

आलीराजपुर। जिले के थाना बखतगढ़ क्षेत्र के ग्राम बिछोली में हुई अज्ञात हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक धरमा पिता थेबड़िया जोगटिया (47 वर्ष) के लापता होने की सूचना 15 नवम्बर 2025 को उसके भाई चन्दरिया द्वारा चौकी छकतला में दर्ज कराई गई थी। मृतक 13 नवम्बर की शाम लगभग पाँच बजे घर से निकला था और वापस नहीं लौटा।

जंगल में मिला शर्ट और तलाई की पाल पर दिखी ताज़ी खुदाई परिवार और ग्रामीणों की खोजबीन के दौरान उमराई फलिया जंगल में मृतक का काले रंग का चौकड़ीदार शर्ट मिला। वहीं पास ही तलाई की पाल के किनारे नई खुदाई दिखाई देने पर ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। बखतगढ़ पुलिस ने नायब तहसीलदार की उपस्थिति में उत्खनन करवाया, जिसमें एक पुरुष का शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान धरमा के रूप में की गई।

रंजिश के चलते की गई हत्या-मर्ग जांच के दौरान परिजनों एवं ग्रामीणों से प्राप्त तथ्यों के अनुसार मृतक और आरोपी

गुंजारिया पिता गोरधन कलेश के बीच निजी संबंधों को लेकर विवाद था। मृतक द्वारा इस संबंध की जानकारी अन्य लोगों तक पहुँचाए जाने की आशंका से आरोपी नाराज था।

इसी रंजिश में 13 नवम्बर की शाम आरोपी ने धरमा को अपने एकांत घर बुलाया, जहां विवाद के दौरान आरोपी ने उसका गला घोटकर हत्या कर दी।

इसके बाद आरोपी ने शव को जंगल में घसीटकर ले जाकर पाल के पास गड्ढा खोदकर दफना दिया ।घटनास्थल से मृतक की चप्पल भी मिली, जबकि उसका गमछा जलाकर उसकी राख फेंक दी गई थी।

आरोपी गिरफ्तार, हत्या और साक्ष्य मिटाने का प्रकरण दर्ज

संपूर्ण मर्ग जांच, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, परिस्थितिजन्य साक्ष्य और बरामद सामग्री के आधार पर आरोपी गुंजारिया के विरुद्ध धारा 103(1) एवं 238 क्चहृस् के तहत हत्या व सबूत मिटाने का मुकदमा दर्ज किया गया ।बखतगढ़ पुलिस ने आरोपी को 24 नवम्बर 2025 को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। पुलिस टीम का सराहनीय योगदान इस जटिल और चुनौतीपूर्ण मामले के सफल खुलासे में निम्न अधिकारी सहित अनेक पुलिस कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।निरीक्षक संतोष सिसोदिया, थाना प्रभारी बखतगढ़ तथा उप निरीक्षक राहुल चौहान, चौकी प्रभारी छकतला सहित सभी पुलिस कर्मियों द्वारा तीव्र कार्रवाई कर मामले का पर्दाफाश करने की क्षेत्र में व्यापक सराहना की जा रही है।